THE MINSITER OF STATE OF THE MINISTARY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SALEEM IQBAL SHERVANI): (a) (i) Production and supply of various diagnostic reagents (VDRL antigen, species specific antisera, etc.) for supply to the Govt. as alos non-government institutions all over the country.

(ii) To undertake blood group serology, offer expert opinion about different types of medico-legal exhibits/biological materials and provide laboratory support to S.T.D. and other projects.

(iii) To train laboratory and para-medical personnel in the various fields of serology and S.T.D.

(iv) To undertake research in immunodiagnostics, immunohaematology, Serology and Microbiology.

(b) to (d) A group has been constituted to assess the requirement of staff in the Department of Serelogist and Chemical Examiner, Calcutta. Decision on the above matters would be taken only after their report is available.

मलेरिया उन्मूलन के लिए मलेरिया रिसर्च सेन्टर और वैक्टर कन्ट्रोल सेन्टर द्वारा दिए गए सुझाव

1574. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:—

(क) क्या मलेरिया रोग उन्मूलन हेतु मालेक्यूलर बायलॉजी प्रणाली एवं टीका निर्माण हेतु अब तक कोई सफलता मिली है?

(ख) यदि हां, तो इसको उपयोग में लाये जाने की स्थिति क्या है?

(ग) क्या मलेरिया उन्मूलन के लिए मलेरिया रिसर्च सेन्टर और वैक्टर कन्ट्रोल रिसर्च सेन्टर द्वारा कोई ठोस उपायों एवं सुझावों को अपनाये जाने की सलाह दी गई थी? और

(घ) यदि हां, तो उन सुझावों और उपायों समेत इस संबंध में सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी): (क) और (ख) मलेरिया की एक वैक्सीन कोलम्बिया में विकसित की गई थी लेकिन इसे इस्तेमाल नहीं किया जा सका, क्योंकि इसके क्लीनिकल परीक्षण 1995 के अन्त में ही शुरू किए गए थे।

(ग) और (घ) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत कार्य कर रहे मलेरिया अनुसंधान केन्द्र, दिल्ली तथा वैक्टर नियंत्रण अनुसंधान केन्द्र, पांडिचेरी ने देश में विभिन्न भू-परिस्थितिक विज्ञान स्थलों पर मलेरिया नियंत्रण के जैव-पर्यावरणिक तरीके विकसित किए हैं। ये केन्द्र समुदाय की सक्रिय भागीदारी से गढढों को भरने, भूमि को समतल बनाने, खड़े पानी की निकासी जैसे साधारण उपायों के अलावा जीव-लार्वानाशी, लार्विवोरस मछलियों, औषध युक्त मच्छरदानियों आदि का उपयोग करने की सलाह देते हैं। इन अनुसंधान केन्द्रों में मलेरिया नियंत्रण के लिए समुदाय के परम्परागत चिकित्सकों को शामिल करने का भी परामर्श दिया है। राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत मार्गदर्शी परियोजनाओं के माध्यम से मलेरिया नियंत्रण के लिए इनमें से कुछ कार्यनीतियां पहले ही अपना ली गई हैं।

Opening of Ayurvedic Hospitals in Hill Districts of U.P.

1575. SHRI RAJ NATH SINGH:
SHRIMATI MALTI SHARMA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the number of Ayurvedic Hospitals functioning in the country particularly in Uttar Pradesh and Delhi;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have any plan to open more new Ayurvedic hospitals in Uttar Pradesh especially in hill districts during the period, 1996-97; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SALEEM IQBAL SHERVANI): (a) and (b) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.